

राजा

कॉमिक्स
विशेषांक

मूल्य 20.00 संख्या 13

चुच्चाकरा चप्पाप्पूळ

सुपर कमांडो
छुव



सुपर कमांडो छुव

एक आकर्षक
स्टीकर मुफ्त

चुंबा का चक्राधर

सम्पादन: मनीषचन्द्र गुप्त



कथावित्र: अनुपम सिन्हा

यह संसार तरह-तरह की प्राकृतिक शक्तियों से भरा पड़ा है। इनमें से कुछ ताकतों पर तो मनुष्य का कोई जोर नहीं चलता, पर कुछ शक्तियों ने अपने वश में कर लिया हैं। और इनका इस्तेमाल वह प्रगति के लिए भी करता है, और विनाश के लिए भी!



भय और आतंक, राजनगर के लिए कोई नई चीज़ नहीं हैं।

और इस वक्त इनके स्वॉफनाक साए के चपेट में हैं; 'इंडियन मिसाइल सेंटर' का एक अफसर - गोपालन!



...और 'शार्ट-कट' हूंडते हुए, गोपालन 'राजनगर नेशनल पार्क' के पुराने और उजाड़ रेस्ट हाउस तक पहुंच गया।



रेस्ट हाउस का मुख्य दरवाजा खुला हुआ था।

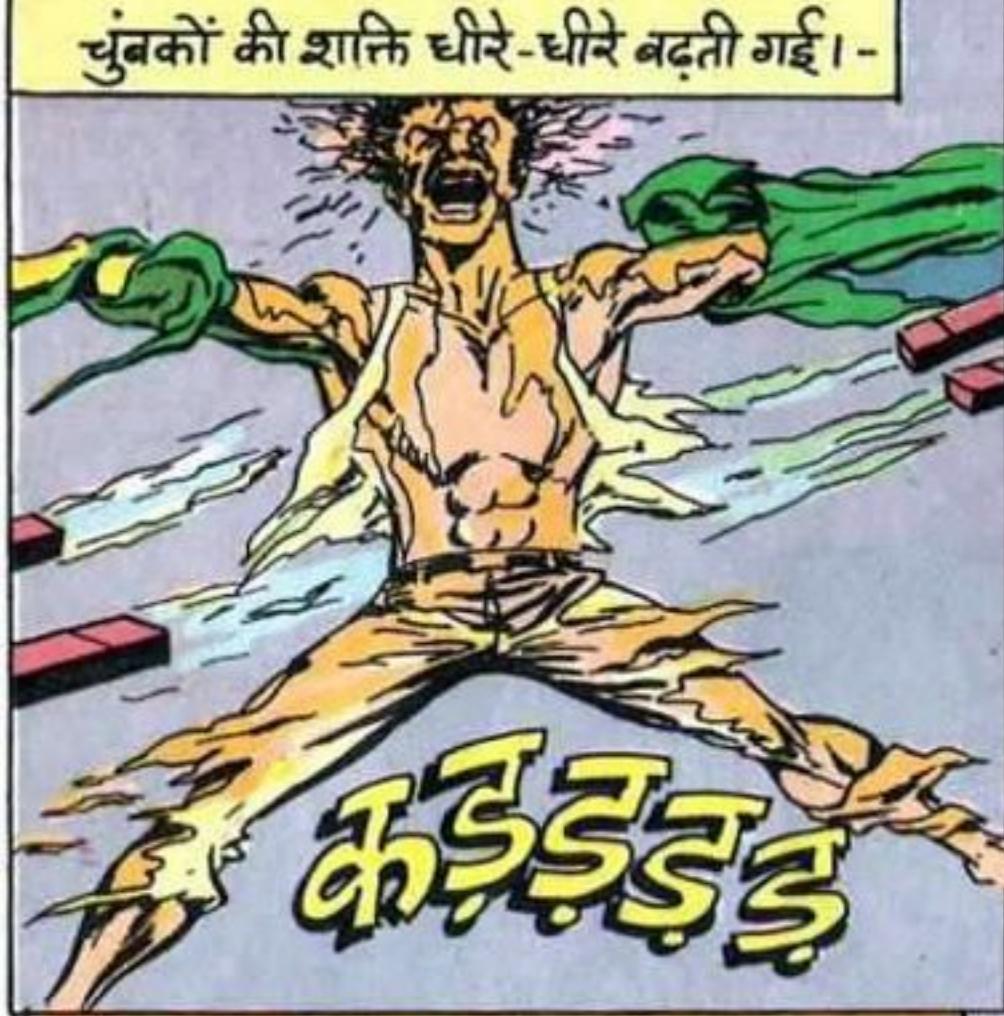


पर गोपालन को मालूम था कि उसकी मांजिल किस दरवाजे के पीछे हैं!

आओ, आँफीसर! तुम पूरे टैंतीस सेकेंड देर से आए हो।



चुंबकों की शक्ति धीरे-धीरे बढ़ती गई। -



- और हाड़-मांस का नाजुक शरीर यह मयंकर खिंचाव नहीं सह पाया।



इसकी लाश के दोनों टुकड़े उठाकर ऐसी जगह फेंक दो, जहां इसकी लाश को कुत्तों और गिर्दों के अलावा और कोई न देख पाए!



अभी उस न्यूक्लियर पावर बैटरी को भी मुझे मिसाइल, जिसकी टेस्टिंग मारत सरकार कल करने जा रही है।

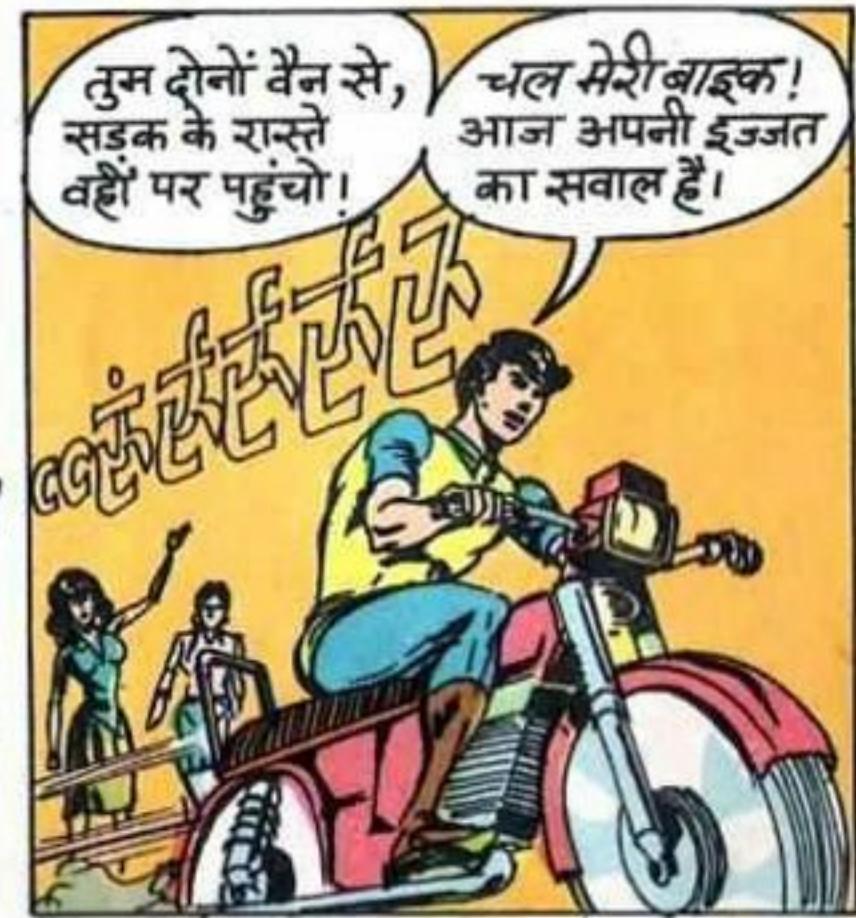
इसके बाद चुंबा, वैसी ही न्यूक्लियर बैटरी लगी मिसाइलों को दर्जनों ऐसे देशों को बेचेगा, जिसको पाने के लिए वे बेकरार हैं।

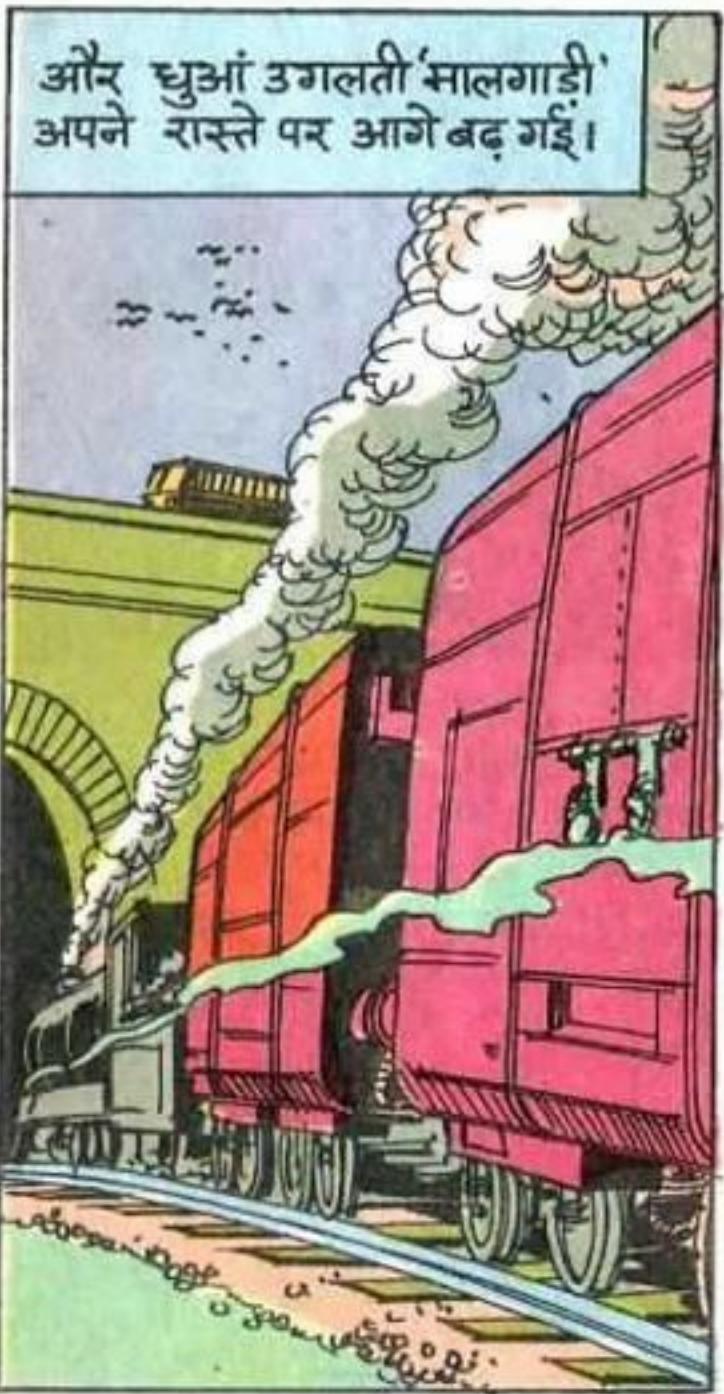
और मेरा अभियान कल से शुरू हो जाएगा!



हमलोग यहां पर प्रिकानिक मजाने आए हैं। धोड़ों की रेस देखने नहीं!

चुम्पा का चक्रव्यूह





चुम्बा का चक्रव्यूह

चुंबक बन गई रेल के पहियों को वहीं रोक दिया।

अरे! यह फ्रेज
कैसे रुक गई?

मैंने ब्रेक
तो लगाए
ही नहीं ?

रास्ते में कोई रुकावट
भी नहीं है। आखिर
यह ट्रेन रुकी कैसे?

શ્રી કૃત્તું

...चुंबा समाट ने ! और अब
मेरे रास्ते से हट जाओ !
वर्ना मैं तुम्हारे दिलों की
धड़कनें भी शैक दूंगा !

ओर
पास ही
में -

अब बठेंर किसी
बड़े को साथ लाए, नदी
में नहाने कभी मत
जाना। समझी,
प्यारी गुड़िया?

इसको मैंने
रोका है, कीड़ो ! ...



पर ट्रेन तो 'फिलिश-लाइन'
तक पहुँच ही नहीं पाई थी।

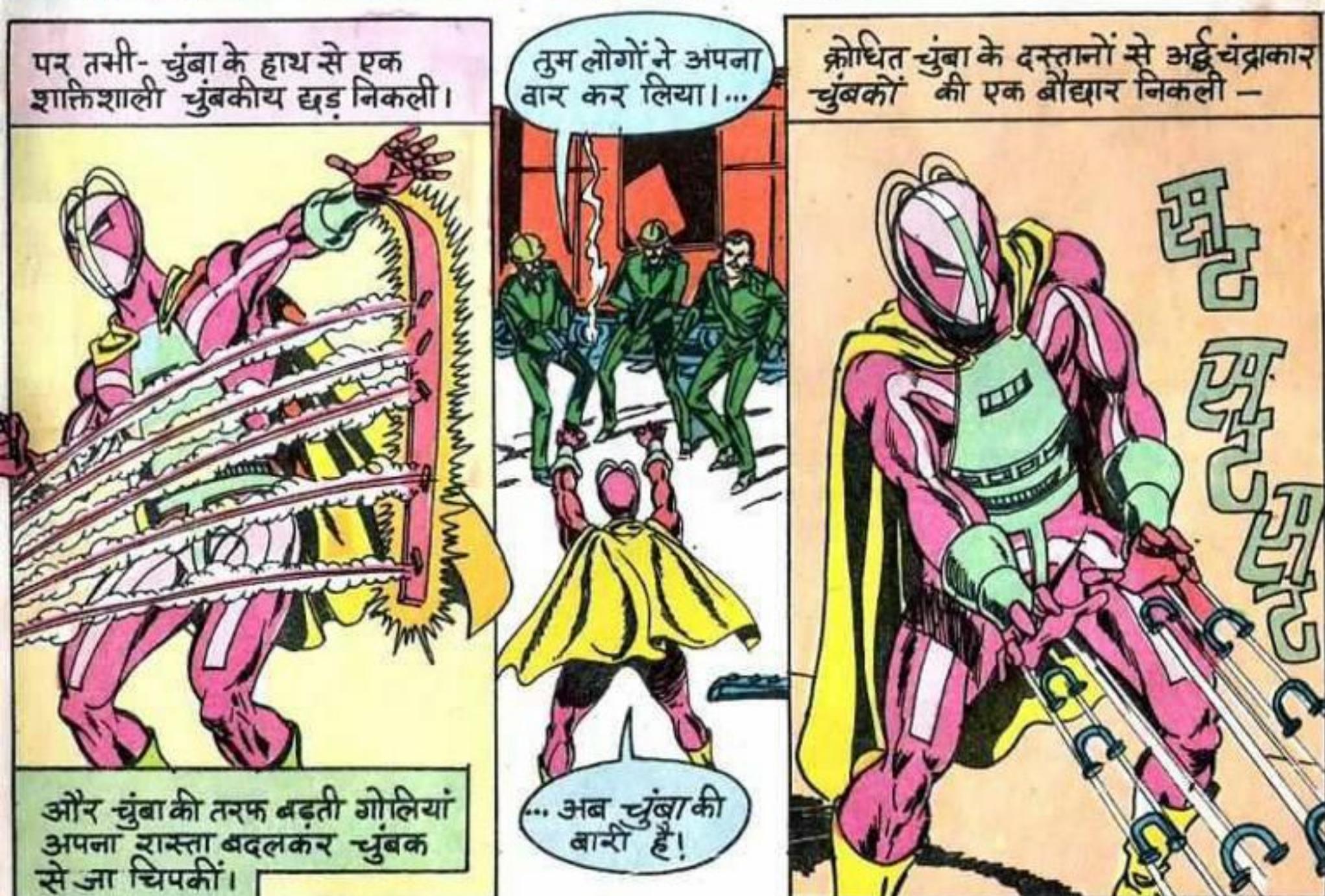
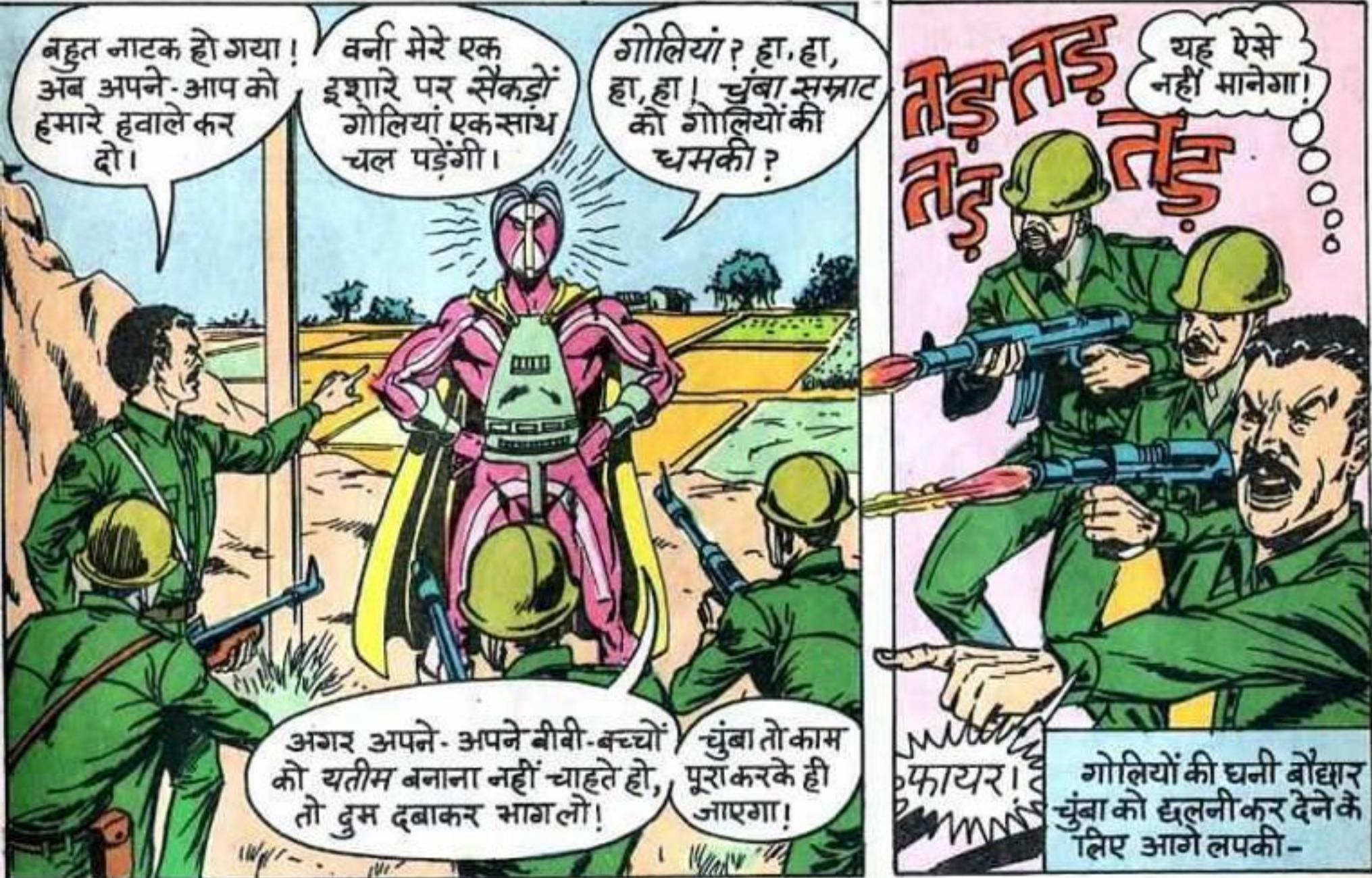
हम मामूली इङ्गिवर और
फोरमेन नहीं हैं, दुंबा! हम
‘आमर्त्य सीक्रेट कोर’ के
जवान हैं।

हाथ ऊपर उठा लो,
और यह बताओ कि तुम्हें
इस गुप्त ट्रेन के बारे में
किसने बताया?





चुम्बा का चक्रव्यूह





...चुंबा के हाथ
तक जा पहुंचा।

तड़क

म... मेरी बैटरी!

जहां पर मैं तुमको भेजने
वाला हूं उस जेल में तुमको इस
बैटरी की जरूरत नहीं
पड़ेगी, चुंबा!

तुम कितने स्वतरनाक हो, जानता
झुव, यह मैं हूं।

ओह! इसने मुझे रैनिकों
की तरह ही इंजन से जकड़ दिया है!

अब मेरा रास्ता साफ है! इस
दुष्ट खड़के ने, बैटरी को लात
मार कर न जाने कहां पर गिरा
दिया है! इन भाड़ियों और गड्ढों
में तो उसे छूँढ़ने में बहुत
टाइम लगेगा!

इसीलिए मैं
तुमको ज्यादा हाथ-
पांव चलाने
नहीं दुंगा!

ये बहुत शक्तिशाली चुंबक हैं।
इनसे आजाद हो पाना असंभव
लगता है!

और उसी वक्त-

नताशा, कुछ गडबड
है! उस जोकर ने झुव को
इंजन के साथ चिपका
दिया है।

मैं इस जोकर से
चिपटती हूं। तुम झुव
की मदद करो।



चुंबा का चक्रव्यूह



...और खेत जोत रहा एक क्लैल अपने बंधन तुड़ाकर, चुंबा की तरफ लपका।

बाँआजाम



टक्कर मीषण थी।

धड़ाक

आऊ! यह मनहूस जानवर!
अब पहले मैग्नेटिक ड्लोस्ट
में इसी पर...

अरे! मेरे 'मैग्नेटिक
कंट्रोल' काम नहीं कर
रहे हैं!



ओेर... अरे! ध्रुव भी आजाद
हो गया है। और वह मेरी ही
तरफ आ रहा है!

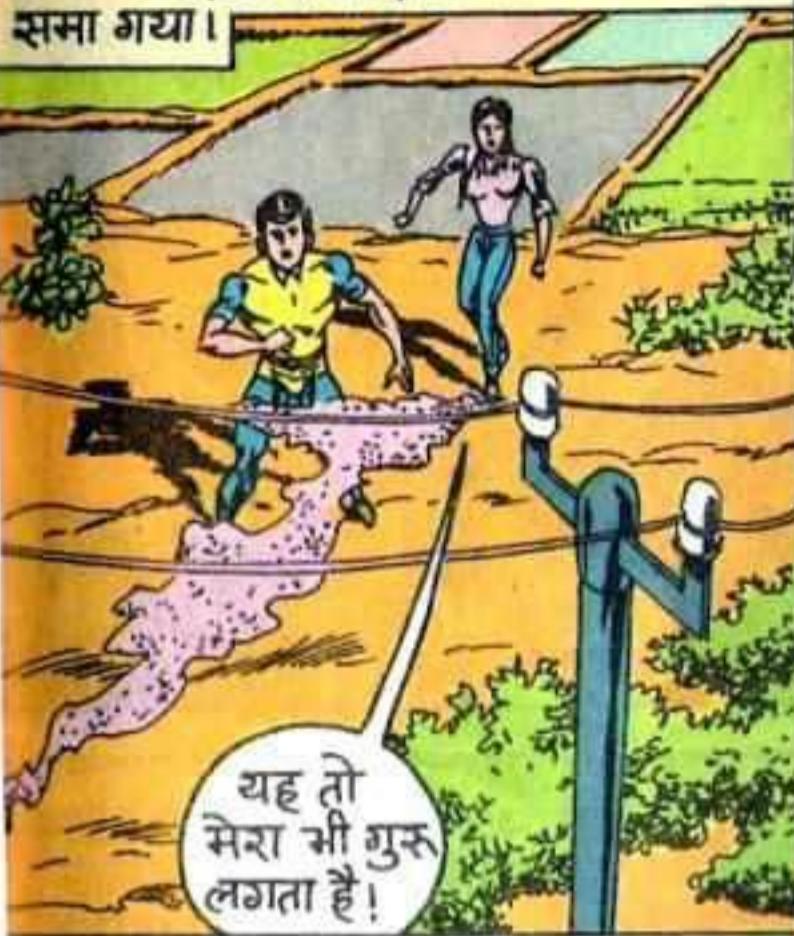
अब यहां से खाली हाथ
भागने के अलावा और कोई
चारा नहीं है!

अगले ही पल- चुंबा का
शरीर 'चुंबकीय कणों' में
बदलने लगा।

तूने मेरी योजना पर पानी फेरा
है, ध्रुव! मैं तुम्हें जिंदा नहीं
छोड़ूँगा!

अपने क्रिया-कर्म
का इंतजाम करलेना!

और देखते ही देखते—चुंबा का चुंबकीय कणों में बदला शरीर, टेलीफोन के तारों में समा गया।



आदमी स्वतरनाक है। और इसकी धमकी भी स्वोस्वली नहीं थी।

कुछ भी हो! पर हमने कम से कम इसको यह बैटरी तो नहीं ले जाने दी।



लेकिन छुव को जल्दी ही सैनिकों ने सारी स्थिति समझा दी।



और फिर रामकोटा में-

तुमने आज हमारी बश्सों की कड़ी मेहनत को बचा लिया, छुव! दुनिया के कई देश हमारे इस अविष्कार के बारे में जानने के लिए बेताब हैं।

चुंबा जास्तर से ही किसी दुश्मन देश का एजेंट होगा!



जाहिर हैं। उसके भौदिए 'मिसाइल सेंटर' में भी फैले हुए हैं।

असंभव! मुझे अपने इर कर्मचारी की वफादारी का पूरा भरोसा है।

आदमी को गदवारी के लिए मजबूर करने के कई तरीके हैं, राव साहब!



इस बक्त तो मुझे एक ही बात की चिंग है! ...

कि आज हम 'त्रिशूल' मिसाइल की टेस्टिंग नहीं कर पाएंगे! उस मिसाइल की टेस्टिंग, यह बैटरी लगाने के बाद ही होनी थी, ...

और बैटरी आने में इतनी देर हो गई है कि अब टेस्टिंग का समय गुजर चुका है।







और उसी शत-मिसाइल लॉंचिंग स्टेशन के डिपो में-

हमारे सुरक्षा-इंजाम बहुत कड़े हैं; सर! इस डिपो से आधा किलोमीटर के धेरे के अंदर आने वाला कोई भी संदिग्ध व्यक्ति तुरंत गोली से उड़ा दिया जाएगा।

और सबसे बड़ी बात तो यह है, कि किसी को यह मालूम ही नहीं है, कि बैटरी यहां पर रखी है!

DEPOT 2
(UNDER ARMY CONTROL)

डिपो की दृत पर भी विमानमेदी तो पेंलगी हैं।

सारी की सारी सुरक्षा-व्यवस्था घरी की घरी रह गई।

इसीलिए आप अरे! यह जमीन निश्चिंत होकर... को क्या हो रहा है?

और अगले ही पल-

कितने भी ... डिलमेन को आने-पहरे बैठा लो, ... जाने से कोई नहीं रोक सकता।

थड़क

क्या चाहते हो तुम?

मैं कुछ नहीं चाहता! लेकिन मेरे मालिक युंबा को वह न्यूक्लियर बैटरी चाहिए, जो तुमने यहां पर दिपाकर रखी हैं।

ओह! तो इसको यह गुप्त रहस्य मालूम है।

चुम्बा का चक्रव्यूह



ड्रिलमैन के सामने, साहसी सैनिक, पांच मिनट भी नहीं ठहर सके।

झाझक



मेरी जानकारी आहा! तो इनलोगों के मुताबिक बैटरी ने इसमें बुलैटप्रूफ़. इस स्ट्रांग-रस्म प्लास्टिक का दरवाजा में रखी है।

आहा! तो इनलोगों लगा रखा है।

ताकि चुंबकीय-शक्ति
इसपर असर न करे!

पर, ड्रिलमैन के पास चुंबकीय शक्तियों के अलावा दो भीषण ड्रिलें भी हैं।

धड्क

बैटरी इसी के अंदर रखी होगी!

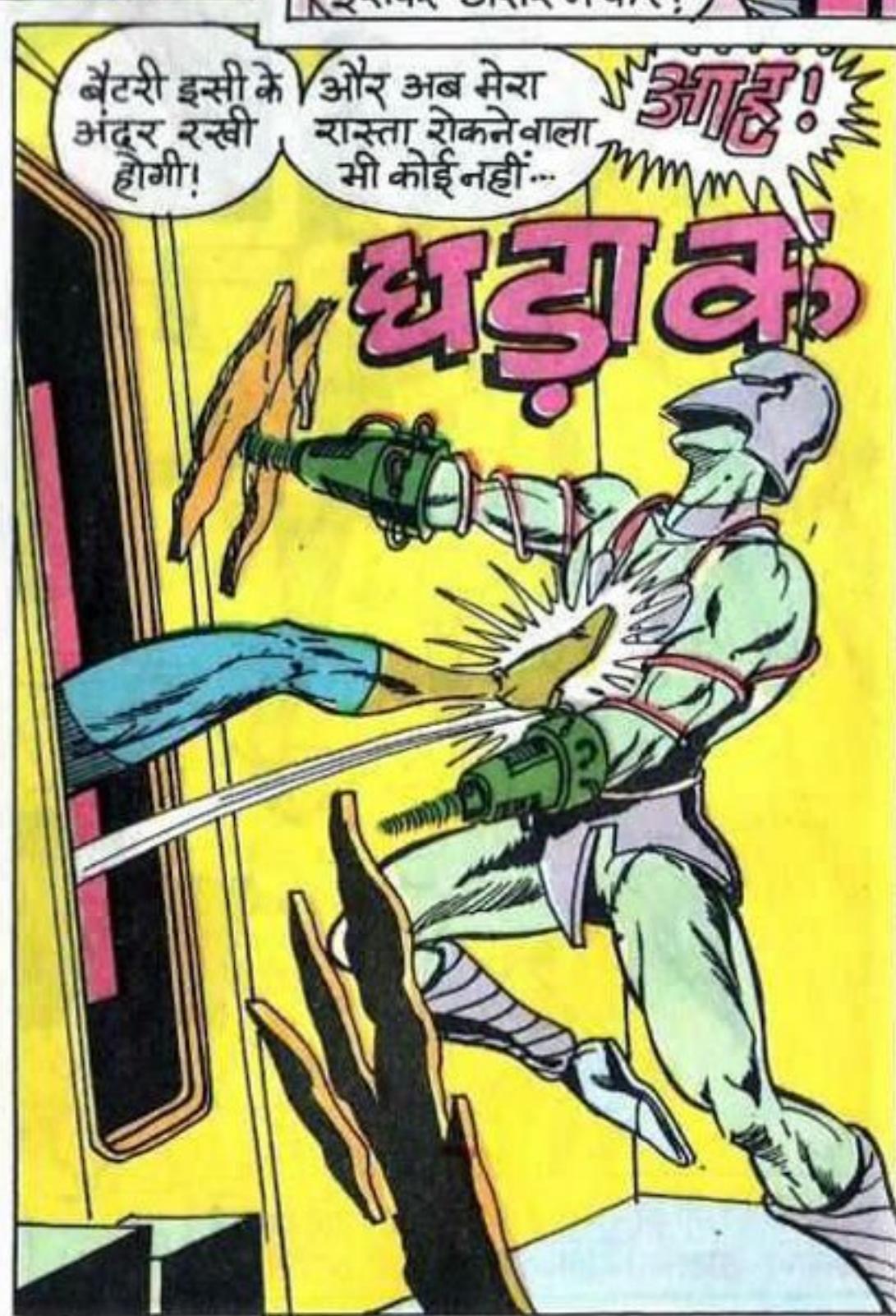
और अब मेरा रास्ता रोकने वाला भी कोई नहीं...

आह!

धड्क

जो देखते ही देखते, इस मजबूत दरवाजे के परखच्ये उड़ा देंगी।

कड़वा



सु... सुपर कमांडो
ध्रुव! तुम स्ट्राग-
रम के अंदर
बैठे थे?



अगर तुम मुझे पहचानते हो, तो
तुम यह भी जानते होगे, कि मैं
बदमाशों की बहुत पिटाई
करता हूँ।

चुम्बा समाट ने ठीक ही कहा
था। तू सचमुच बहुत स्वतंत्रनाक
हैं, लड़के!

मेरा नाम ड्रिलमैन
है, बच्चे!

अभी मैं तुम्हारे शारीर में इतने
देढ़ कर दूंगा, जितने छलनी
में भी नहीं होते हैं।



तेरे लिए अब मुझे
दूसरा रास्ता अपनाना
होगा।

तुम्हारा वार तो मीलों
दूर से निकल गया,
ड्रिलमैन!

यह एक
मैग्नेटिक ब्लास्ट
था, धोकरे!



चुम्बा का चक्रव्यूह

अचानक ध्रुव, अपने हाथोंको ढोला छोड़कर फुर्ती से नीचे मुक गया।

और ध्रुवके हाथोंका दबाव सत्तम होतेही ड्रिलमेन के दोनों हाथ एक-दूसरे की तरफ बढ़े।

और एक ड्रिलने, दूसरी ड्रिलको नष्ट कर दिया।



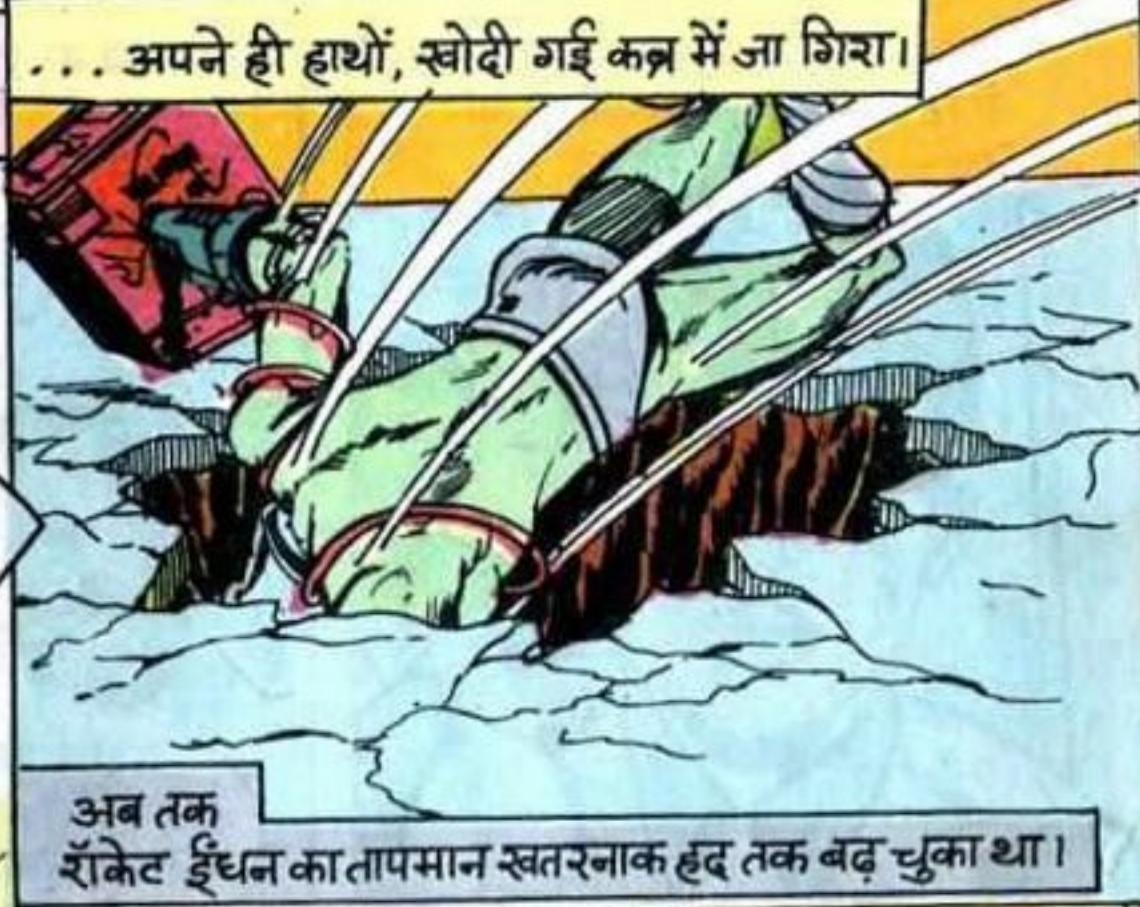
ओह! अब यह 'न्यूक्लियर-बैटरी' के बारे में भूलकर मेरी जान लेने पर तुल गया है।



बगेर कोई समय गंवाए, छुव अपने स्थान से उद्धला। और ड्रिलमैन, पीठ पर स्क जोरदार लात स्वाकर...



धड़ाक



अब तक रॉकेट इंजन का तापमान खतरनाक हृद तक बढ़ चुका था।

और अगले ही पल—

एक भीषण धमाका हुआ।

पर नुकसान गइदे तक ही सीमित रहा।

बड़ा म



ड्रिलमैन की ड्रिल ने ही, उसको धराशायी कर दिया था।

अब यह कम से कम तीन महीने तो अस्पताल में रहेगा।

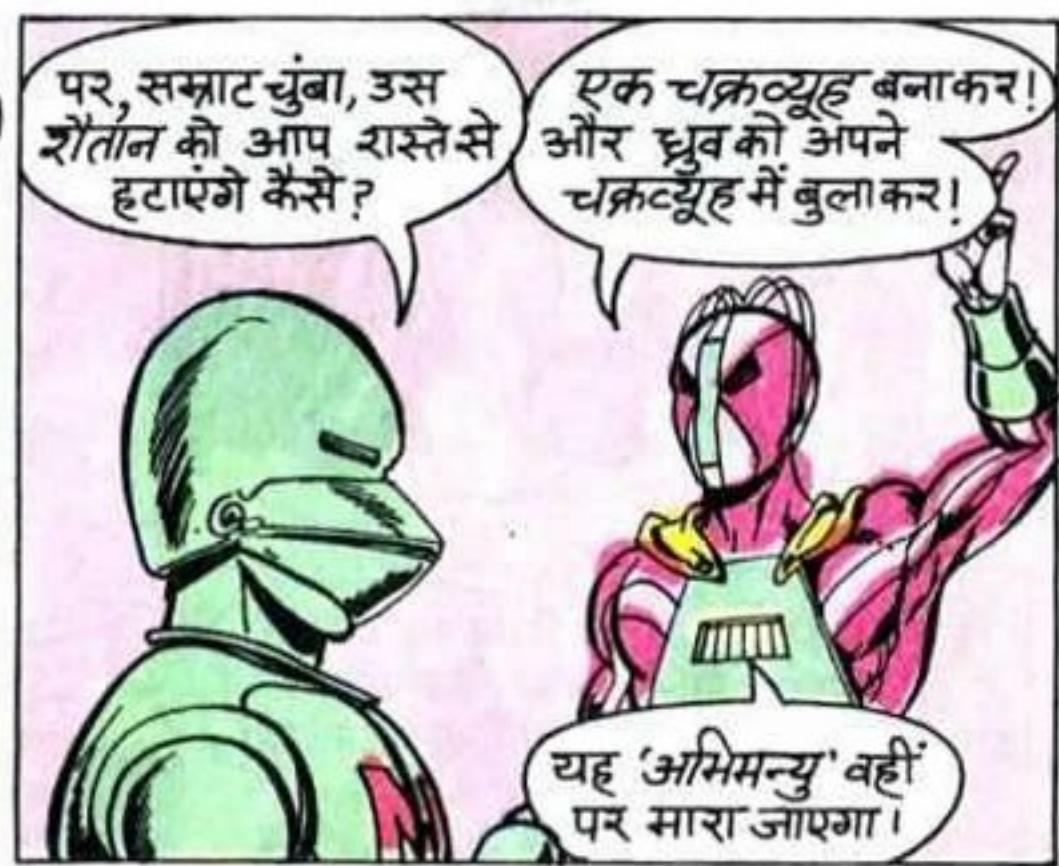
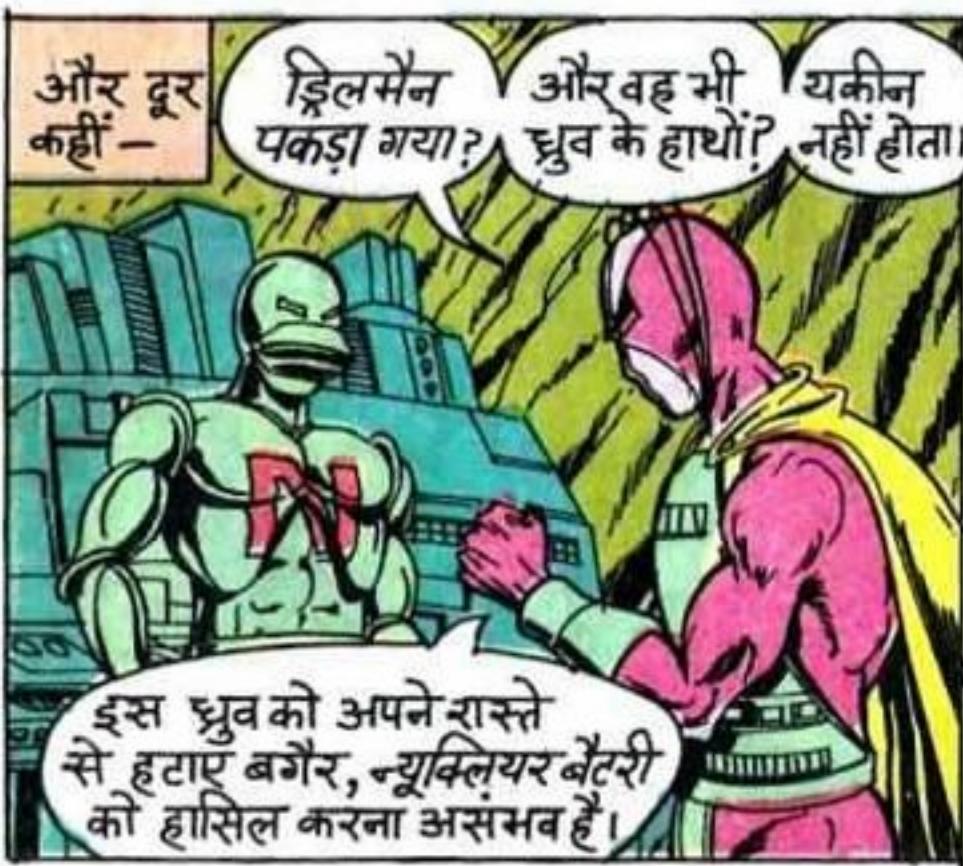


और ठीक होने पर जेल की लंबी सेर को चला जाएगा।

पर चुम्बा का पता बताने के बाद!

लेकिन— ड्रिलमैन बचते जाएगा, छुव! लेकिन अब उससे कुछ भी जान पाना असंभव है।









और रसायनों के आपस में मिलते ही एक घने धुएं के बादल ने, डायनमो को धेर लिया।

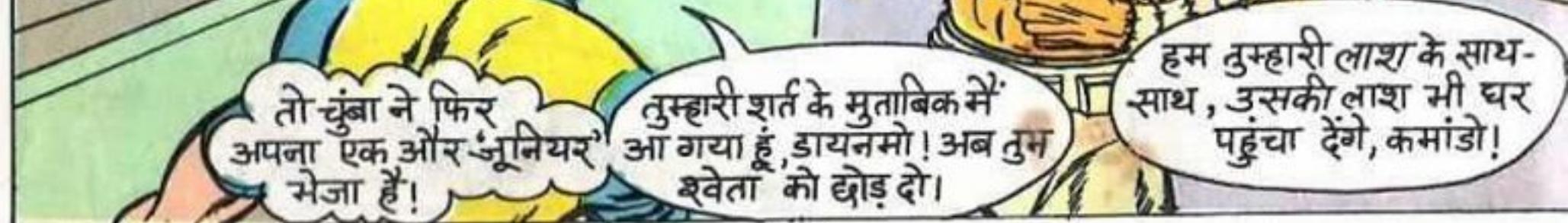
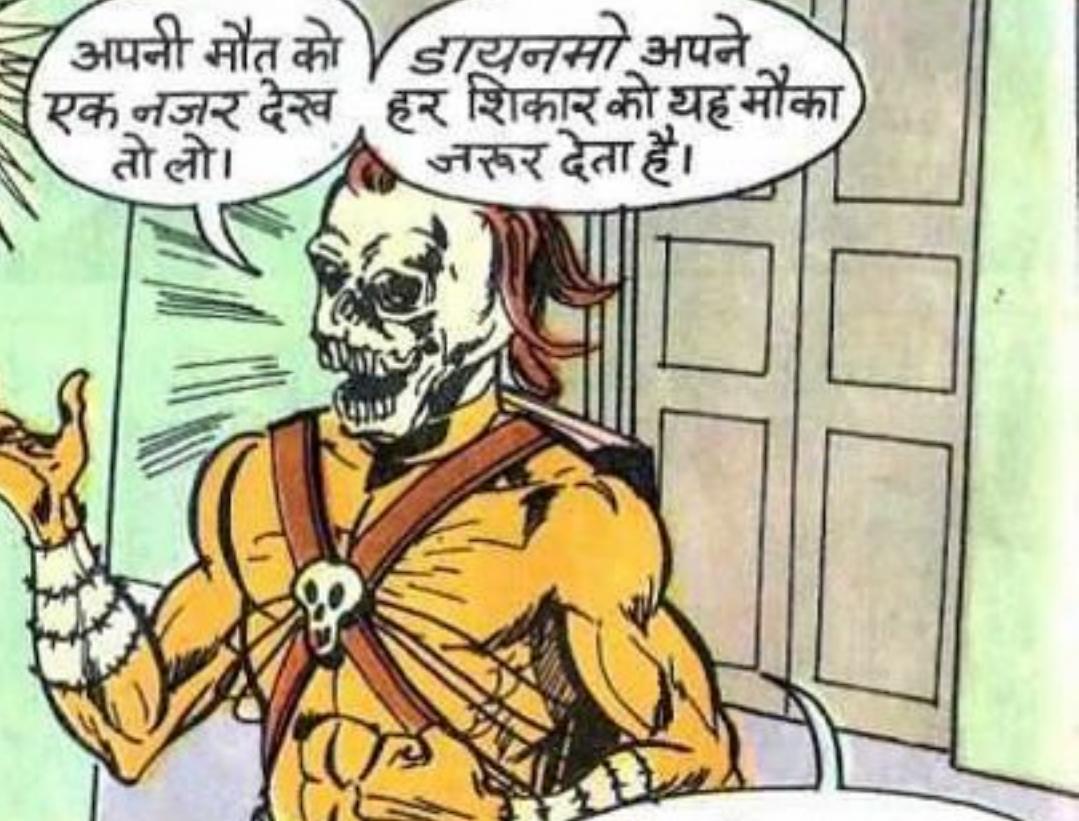


चुम्बा का चक्रव्यूह









चुम्बा का चक्रव्यूह





चुम्बा का चक्रव्यूह

... इतनी हाई वोल्टेज, जो इस लोहे की छड़ को भी ...



...पिघला
दे।

पलक झपकते ही लोहे की
धड़, लाल होकर पिघलने
लगी।

अब मेरा 'हार्ड-वोल्टेज
बोल्ट' तुम्हे भी लोहे की रॉड की
तरह ही गला देगा।



'बोल्ट', ध्रुवको द्यूते
नहीं पाया-

बड़ा स



लेकिन 'बोल्ट' के धमाके ने छुव को दीवार की तरफ उछाल दिया।

और दीवार से टकराते ही, एक बार फिर, छुब के शरीर में, हाई वोल्टेज का करेंट टौड़ गया।



आऊआऊ! इसने तो मुझे बिजली के पिंजरे में कैद कर लिया है।

इस पर अगर मैं जल्दी काबू
नहीं पा सका, तो जल्दी ही मेरा रास-नाम
सत् हो जाएगा।



इसके 'विद्युत तरंगों' को स्थित कर देना ही, इसको रोक पर सवाल है पाने का एकमात्र रास्ता है। कि कैसे?

तभी - हवा में तैरती एक हल्की सौ महक ने ध्रुव का ध्यान आकृष्ट कर लिया।

इस कमरे में जलने की बदबू के साथ-साथ, पेट्रोल की भी महक आ रही है।

कड़ाक

मतलब साफ हैं।

डायनमो के शरीर में बिजली पैदा करने के लिए एक शालिशाली मिनी जेनरेटर लगा है, जो पेट्रोल से चलता है।

ध्रुव ने हवा में एक गुलाटी स्वार्फ़ -

और उसके जूते की नुकीली नोक की एक जबर्दस्त ठोकर, पेट्रोल टैंक पर आ लगी।

ठोकर टैंक में एक द्वेष कर देने के लिए काफी थी।

टैंक से पेट्रोल की एक पतल धार, जसीन पर गिर कर फेलने लगी।

ठक्

अब जल्दी ही इसके टैंक से पेट्रोल खत्म हो जाएगा।

और साथ ही साथ इसका जेनरेटर भी काम करना बंद कर देगा।

लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था।

और उसके बाद इस पर काढ़ पाना बाएं हाथ का काम होगा।

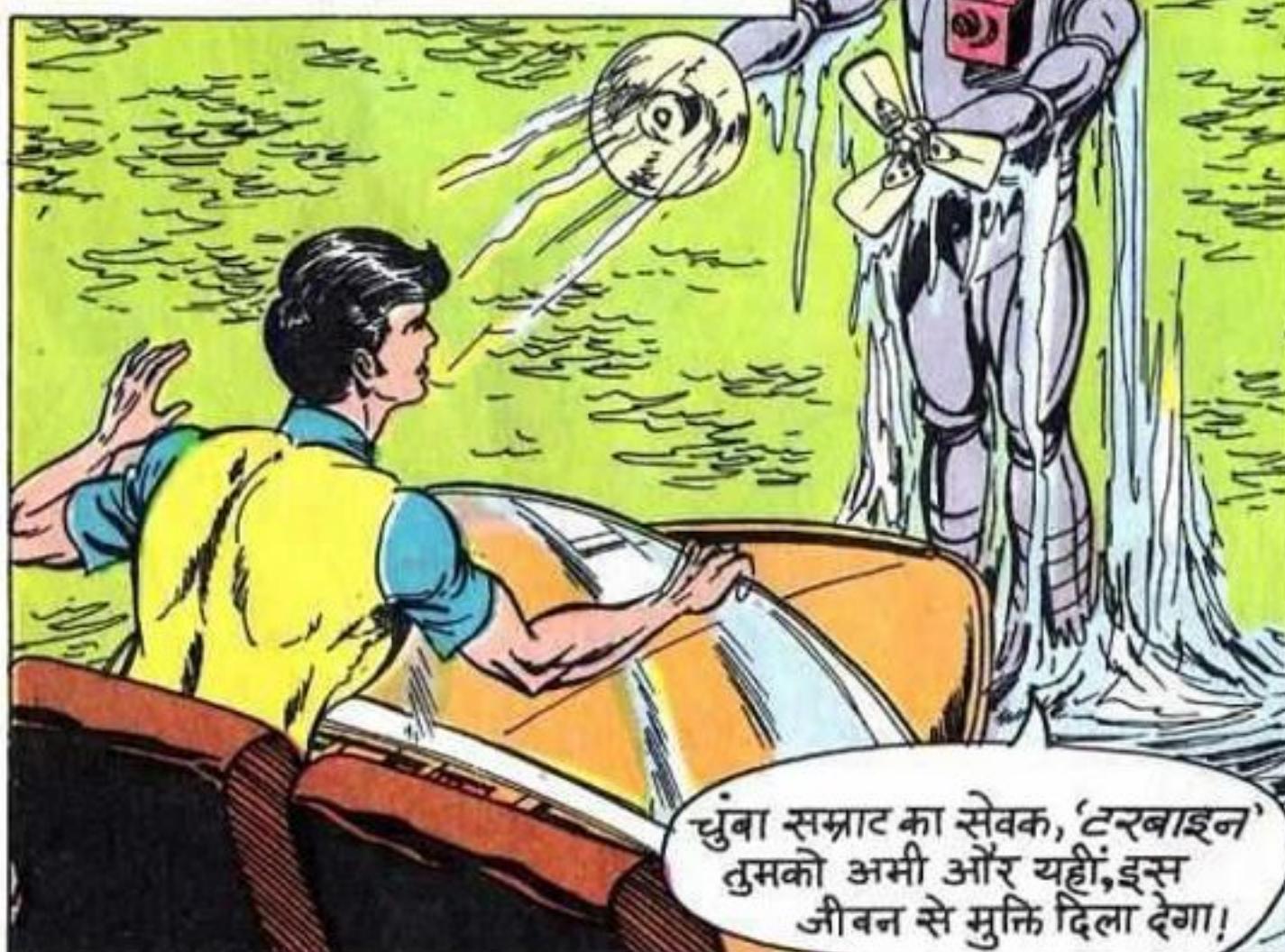
टैंक से गिरता पेट्रोल, बहकर लोहे की लालतपती धड़ तक पहुंच गया था

और देखते ही देखते - आग, पेहोल की धार पर चढ़ती हुई टैंक के अंदर तक जा पहुंची।



और एक धमाके के साथ, डायनमो धराशायी ही गया।





यह सही कह रहा है।

आसपास ऐसी कोई चीज़ नहीं है, जो मुझे 'टरबाइन' के धूमते लेडों से बचा सके।

इसलिए यह लड़ाई, पानी के अंदर लड़ी जाएगी।

दंपाक

चटान

तो तू टरबाइन से, पानी के अंदर धूपकर बचना चाहता है, मूर्ख!

अब मैं तुम्हे सतह पर आने ही नहीं दूँगा। और तू पानी में ही दम घुटकर मर जाएगा।

बहुत अच्छा! यानि इसे यह नहीं मालूम है, कि मैं पानी के अंदर भी सांस ले सकता हूँ। ☆

...लेकिन उसने संभलने में ज्यादा वक्त नहीं लिया।

ये चटानें मेरे लेडों को नुकसान नहीं पहुँचा सकती हैं। इतना तो यह लड़का अभी समझ जाएगा।

टरबाइन तेज गति से, ध्रुव के बदन को काट डालने के लिए आगे लपका।

पर तभी एक बड़ी मध्ली, गलती से दोनों के बीच में आ गई।



टरबाइन के लेड किसी भी चीज़ को काट सकते हैं।

ध्रुव तो बच गया।

पर यह गलती मध्ली को बड़ी महंगी पड़ी।



ध्रुव ने सेवार को टरबाइन की तरफ उछाला-



टरबाइन के सामने कोई चाल नहीं चल सकती।

इसपर तो कुछ असर ही नहीं हो रहा है।



और उसने इन सारी चट्टानों को आपस में चिपका रखा है।



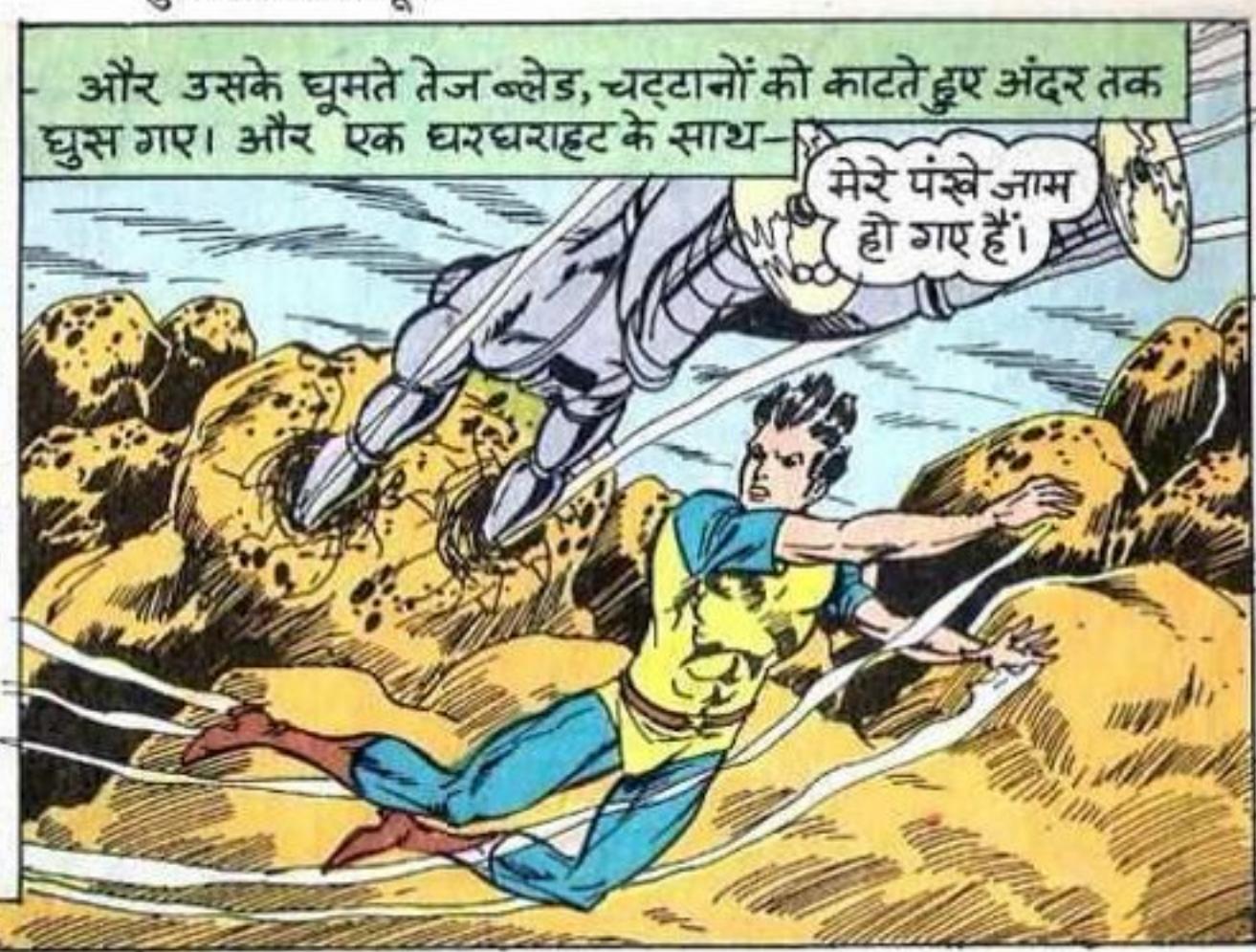
अरे मिलते वाह! गया उपाय!

चुम्बा का चक्रव्यूह

अगले ही पल— चट्टानों के सामने चड़े ध्रुव की तरफ, टरबाइन तेजी से लपका—



और उसके घूमते तेज ब्लेड, चट्टानों को काटते हुए अंदर तक घुस गए। और एक घरघराहट के साथ—



चट्टानों के अंदर जमे, लिसलिसे और गाटे पदार्थ ने टरबाइन के पंखों को बेकार कर दिया था।



और ध्रुव ने इस मोके को तुरंत फायदा उठाया।



आह! मेरा दम धुट रहा है। मैं बेहोश हो रहा हूँ!

हाह! यह तो गया स्वप्नलोक की सेरपर!

परंतु इसने मेरी... यानि चुंबा की बोट को नष्ट कर दिया है। अब आखिर मैं...

...और ध्रुव एक विचित्र सवारी पर तेजी से एक तरफ बढ़ने लगा।



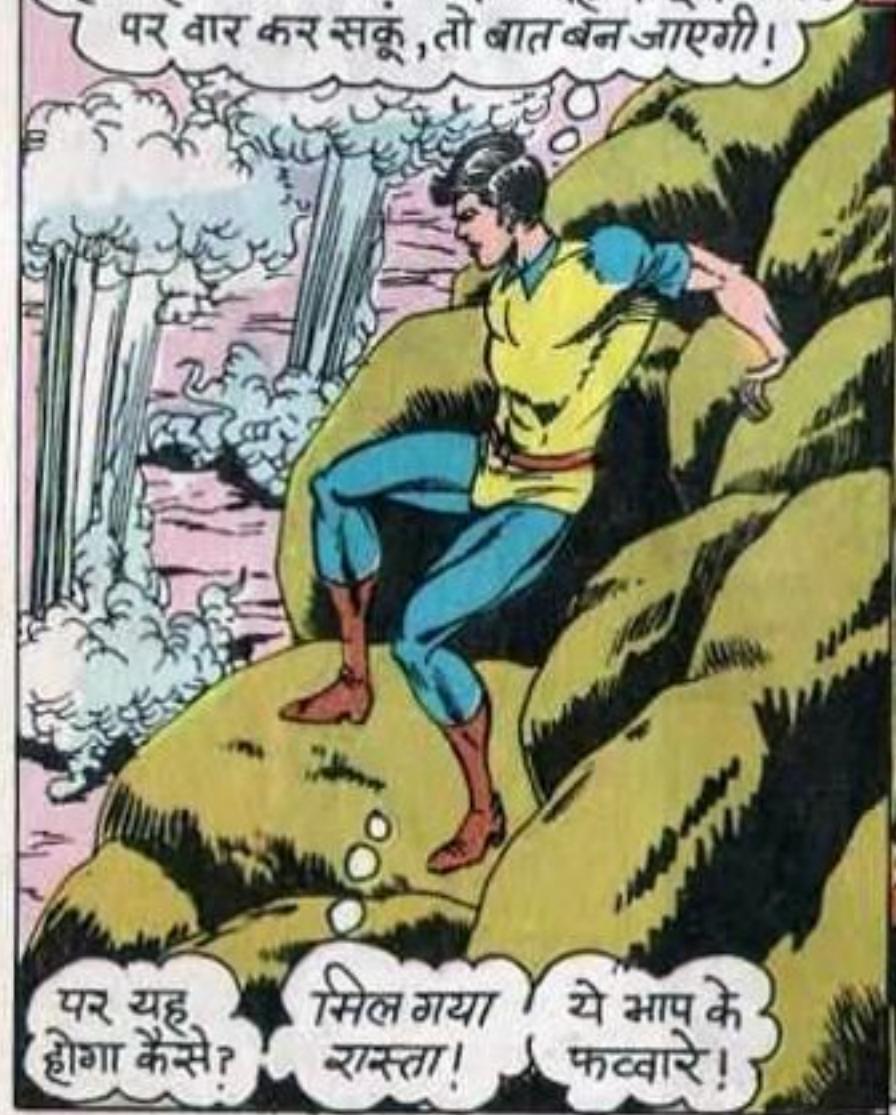
पर तभी—टरबाइन के पैरों में लगे प्रोपेलर और तेजी से घूमने लगे...





चुम्बा का चक्रव्यूह





... और चट्टानों ने नीचे गिरकर 'गीजरो' के मुहाने को बंद कर दिया।

भाप के निकलने का रास्ता बंद हो जाने से, भाप ने पूरी जमीन पर जोर मारना शुरू कर दिया।

धड़ाम

कुछ देर तक तो चट्टानी जमीन ने भाप के भीषण दबाव को सहा...

...लेकिन आस्थिरकार भाप ने, चट्टानी स्तह को पतले कागज की तरह फाड़ दिया।

और केकड़ाल का पूरा शरीर, उसी गर्म भाप में उबल गया।

बबड़ामममम

और पास में ही कहीं-

आहा! तो यह है चुंबा का गुप्त अड़ा! और यहां पर वह मिसाइलें बनाना चाहता है।

इतना तो सुने इनकी बातों से पता चल गया है।

और यहीं गलती, अब चुंबा की आस्थिरी गलती सानित हो गी। क्योंकि वह छोटी सी श्वेता अब ...

चुंबा ने मुझपर कोई पहरा नहीं बिठाया है।

शायद उसको एक छोटी सी लड़की से, किसी खतरे की उम्मीद नहीं है।

अपशाधियों का काल चांडिका बनने जा रही है।

और कुछ ही सेकेंडों बाद जब चांडिका अपनी केंद्र से बाहर निकली, तो रास्ता साफ था।



दूसरी तरफ - छुव अपनी धानबीन में व्यस्त था।



पर अंदर छुसते ही छुव, आश्चर्यचकित रह गया।

चट्टान के अंदर, पुरा एक किलाबना हुआ था।



इन इमों में किसी तरह का स्वतरनाक एसिड भी रखा है।



यानि यहीं पर चुंबा ने कोई गैरकानूनी चीज बनाने की केंद्री मीलगा रखी है।



इस मामले की ओर गहराई से ध्यानबीन करनी...

तभी छुव के पीछे एक घमाका हुआ।



इससे पहले कि पहले धमाके की गूंज स्वतंत्र हो पाती, एक दूसरा धमाका हुआ।

ओह! एक दूसरा सूरमा भी है! एक ही से निपटना बहुत मुश्किल लग रहा था। ...

धड़ाक



...पर यहां तो दो-दो हैं! नार्थपोल और साउथपोल!

तभी- एक हल्की सी आवाज सुनकर ध्रुव सतर्क हो गया।

ऊपर लटक रहा, लोहे का एक कड़ाहा टेढ़ा हो रहा था।



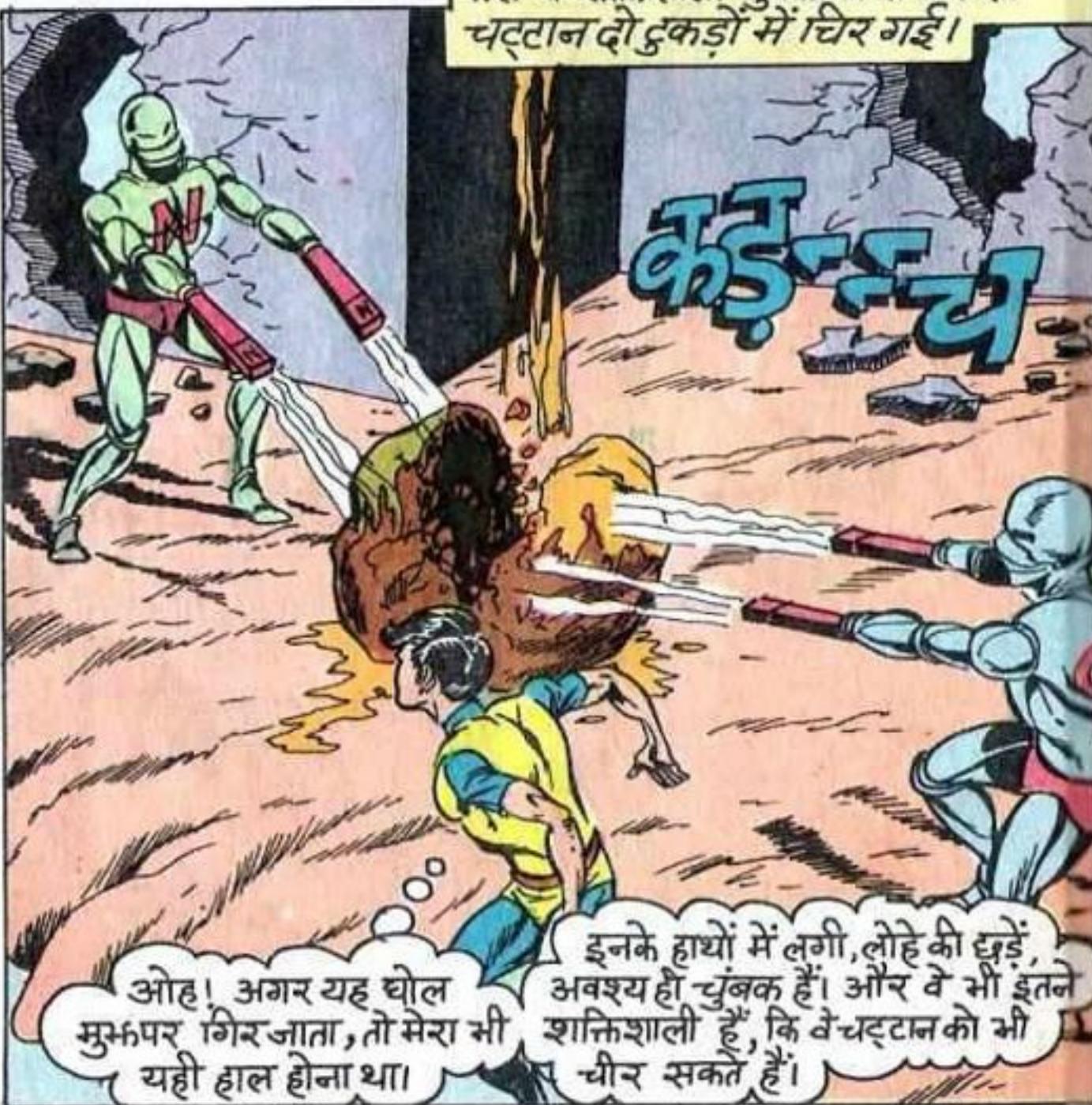
धड़ाक

ध्रुव तेजी से एक तरफ लपका...

धड़ाक



और लोहे के बुशदे से भरा गाढ़े गोंद का घोल, नीचे रखी चट्टान पर आ गिरा।





इस चट्टान पर गिरे धोल में जरूर
लोहे का बुरादा मिला हुआ है। और अब यह
चट्टान ही इन दोनों का कबाड़ा करेगी।

अगले ही पल - ध्रुव ने बिजली
की सी फुर्ती से, चट्टान के दोनों
टुकड़ों को नार्थ पोल और साउथ
पोल की तरफ उछाल दिया।

शक्तिशाली चुंबकों के खिंचाव से, दोनों
टुकड़े, गोली की सी रफ्तार से, दोनों गुंडों
की तरफ लपके।

और इससे पहले कि आश्चर्यचकित नार्थ और
साउथ पोल अपनी चुंबकीय किरणों को बंद कर पाते,
चट्टानों ने दोनों के चुंबकों का काम तमाम कर दिया।



पर स्वतंत्र अभी
पूरा तरह से नहीं
टला था।

और पहला वार
ध्रुव को ही करना
था।



पर अब तक नार्थ पोल और
साउथ पोल संमलयुक्ते थे।



इनके लोह-कवच परतों
मेरे वारों का असर होना
मुश्किल है।

तभी- दोनों हत्यारों के पैरों में दो रस्सियां आफंसी।



ओर एक झटके से दोनों हत्यारे जमीन पर लुढ़क गए।





और हाथ के एक तेज झटके से, पूरा लोंदा, साउथ पोल के कवच की आँखों पर आ चिपका।



और लोहे को गलाता हुआ, एसिड, साउथ पोल के शरीर में घुसने लगा।



अब साउथ पोल के सामने कवच से बाहर निकलने के अलावा और कोई रास्ता नहीं था।



और दूसरी तरफ - पानी में गिरे नार्थ पोल को भी मजबूर होकर, अपने लोहे कवच से बाहर निकलना पड़ा।



और बाहर निकलते ही ध्रुव ने उसको मीठी नींद में सुला दिया।



चुम्बा को अभी तक, शायद तुम्हारे बारे में पता नहीं चला है, चंडिका! इसीलिए हम को यहां से अलग-अलग हो जाना चाहिए।

ताकि मोका पड़ने पर हम एक-दूसरे की मदद कर सकें।

मिसाइल बनाने की फैक्ट्री! ओ माई गॉड! फिर तो वही इस चक्रव्यूह का पांचवां और अंतिम भाग होगा! होगा।



यह पूरा हादसा, चुम्बा नहीं देख पाया था।

अरे! यह मैं क्या देख रहा हूँ?

यह लड़का, नार्थ पोल और साउथ पोल को मात देकर, अंदर तक आ गया।



अब मुझे अपने अंतिम अस्त्र का प्रयोग करना ही पड़ेगा! सेरेनाटो का!

पर तभी-

समाट! हमको अभी-अभी स्वबर मिली हैं, कि भारत सरकार 'त्रिशूल' मिसाइल का परीक्षण करने जा रही है। और उसमें न्यूक्लियर बॉटरी भी लगी होगी।

और दूसरी तरफ - ध्रुव चुंबा की गुप्त केबट्री के अंदर स्वडा था।

ओह! तब तो मेरा कंट्रोल - देख पाना शायद मेरी रूम में पहुंचना बहुत जरूरी है! किस्मत में नहीं है।

आने वाले व्यक्ति ने अंदर घुसते ही अपने-आपको एक फौलादी गिरफ्त में पाया।

आर्रध!
क...क...

बोल, यह सब
क्या है? वर्ना फिर
तू कभी नहीं बोलेगा।

न...नहीं! चुंबा
मुझे मार डालेगा!

अगर तूने जल्दी ही सब
बकना शुरू नहीं किया,
तो मैं, चुंबा से पहले
ही तुम्हे स्वत्म कर
दूँगा।

ब...बताता
हूँ। बता रहा
हूँ।

यह चुंबा का
मिसाइल स्टोर
है।

यहां पर पूरी
तरह से तैयार मिसाइलों
को ही रखा जाता है।

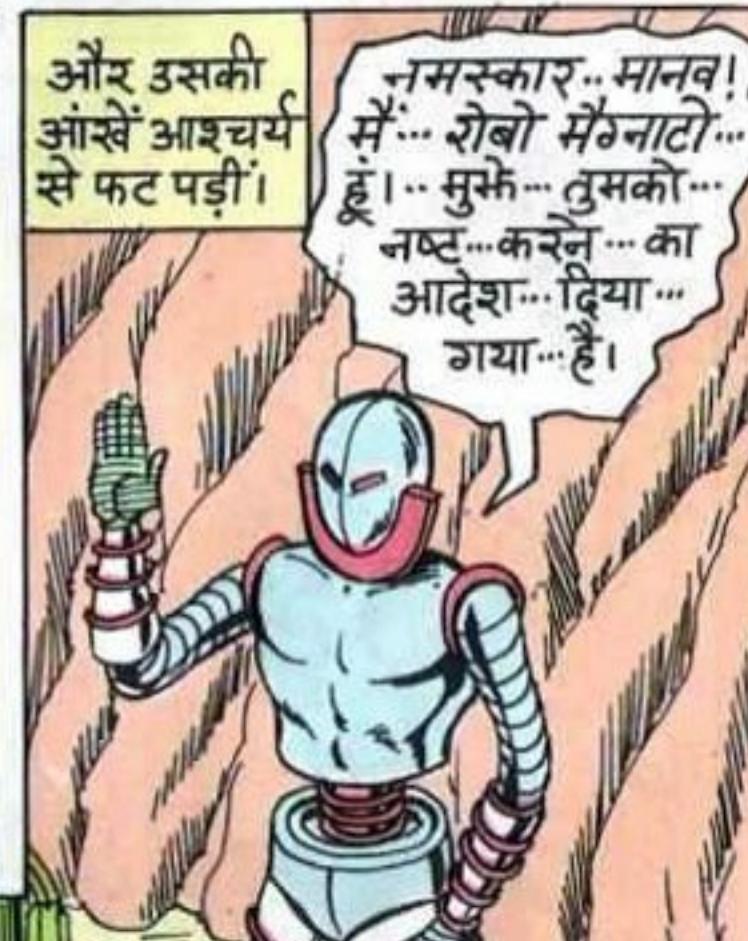
हे मगवान!
इस चट्टान के अंदर
इतने स्वतरनाक
शस्त्र!!

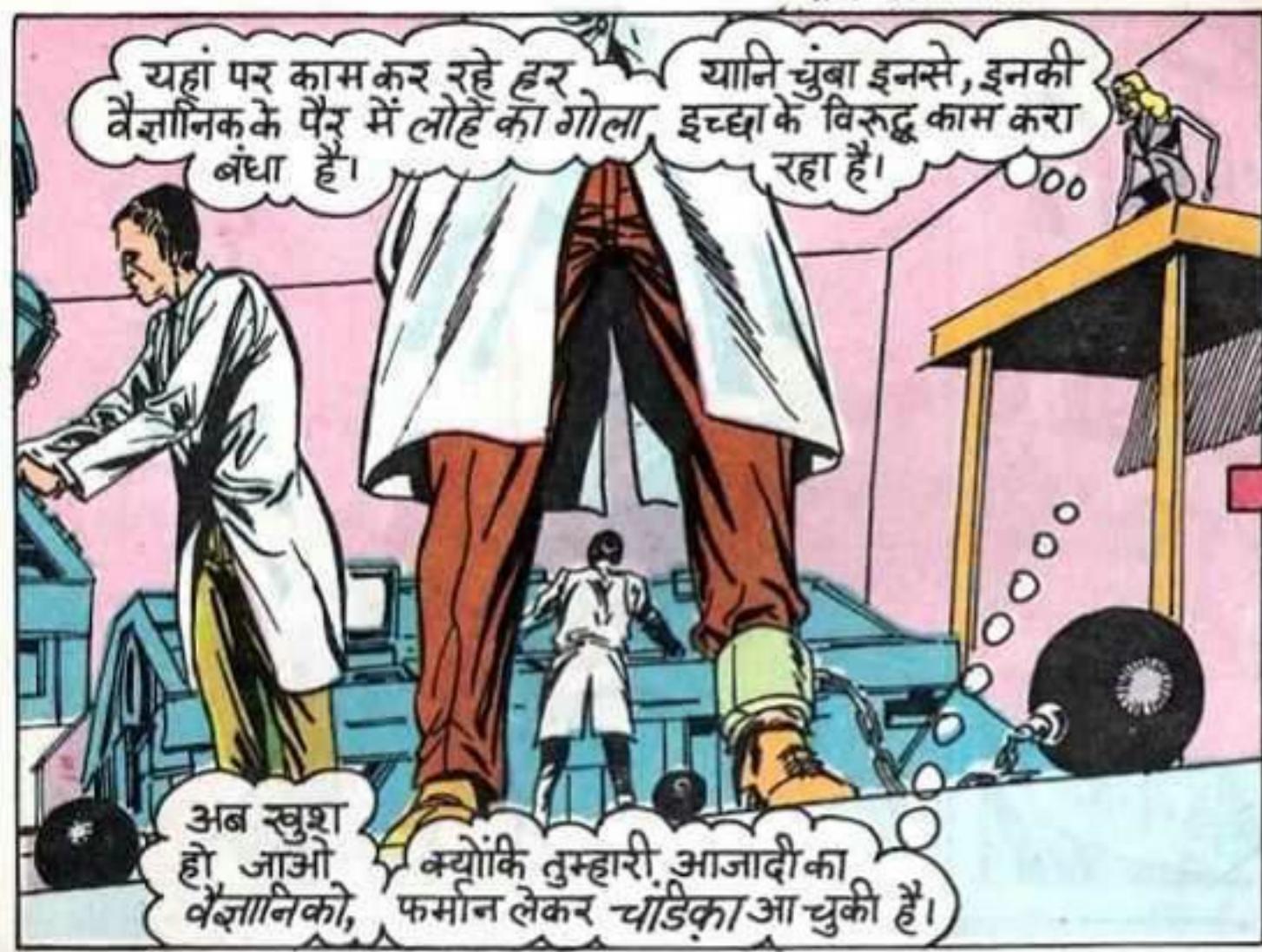
कोई सोच! कोई
भी नहीं... इधर ही
ओह! आ रहा है।

चुंबा इनको कई देशों
को बेचकर अखों-खरबों
डॉलर कमाना चाहता है।

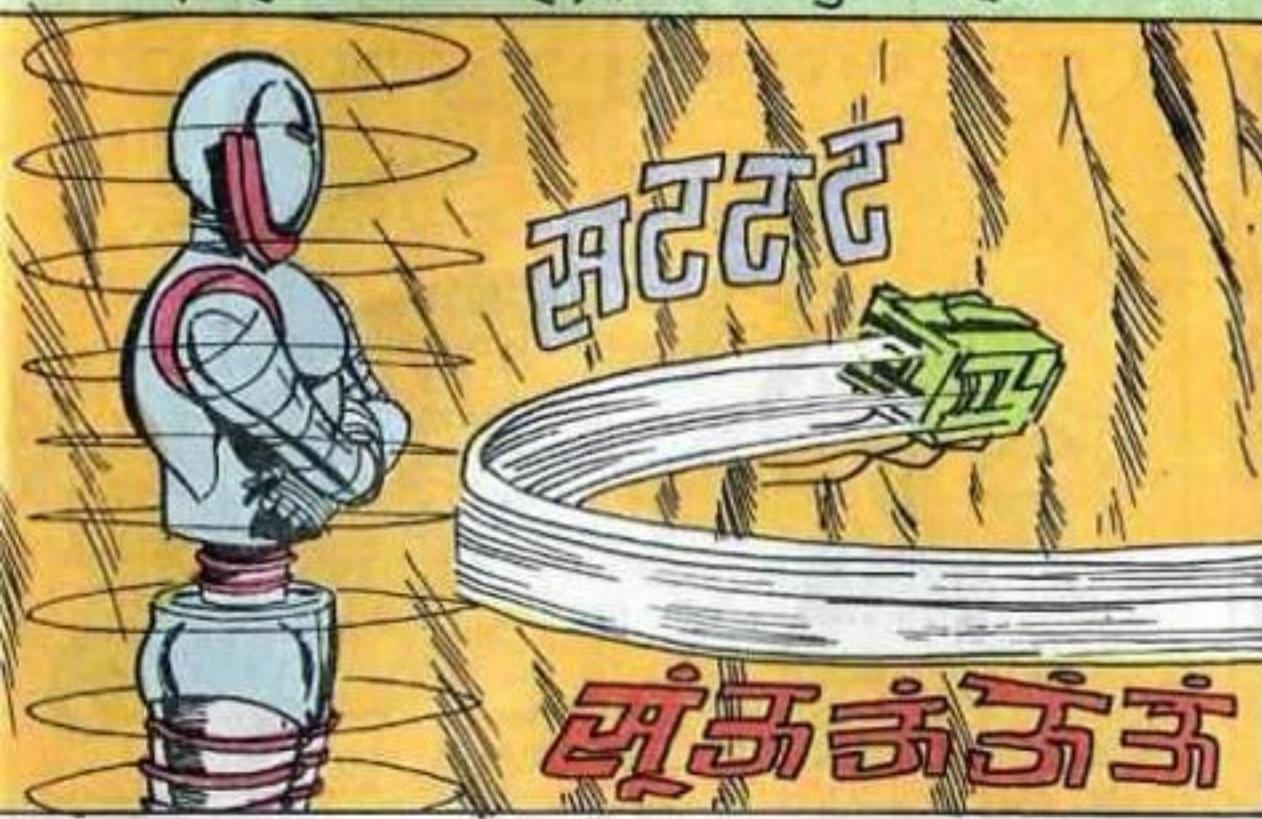
मुझे इस स्वतरे
को नष्ट करना होगा।

इन मिसाइलों को कैसे
नष्ट किया जा सकता है? बोल, नहीं तो...





लेकिन, लोहे के पास आते ही, मैग्नाटो के चुंबकीय क्षेत्र ने उसको-



- वापस ध्रुव की तरफ फेंक दिया।



मैग्नाटो के लंबे हाथों ने, ध्रुव की कलाइयों को जकड़ लिया।

और ध्रुव को अपनी नसों में एक भीषण दबाव महसूस होने लगा।

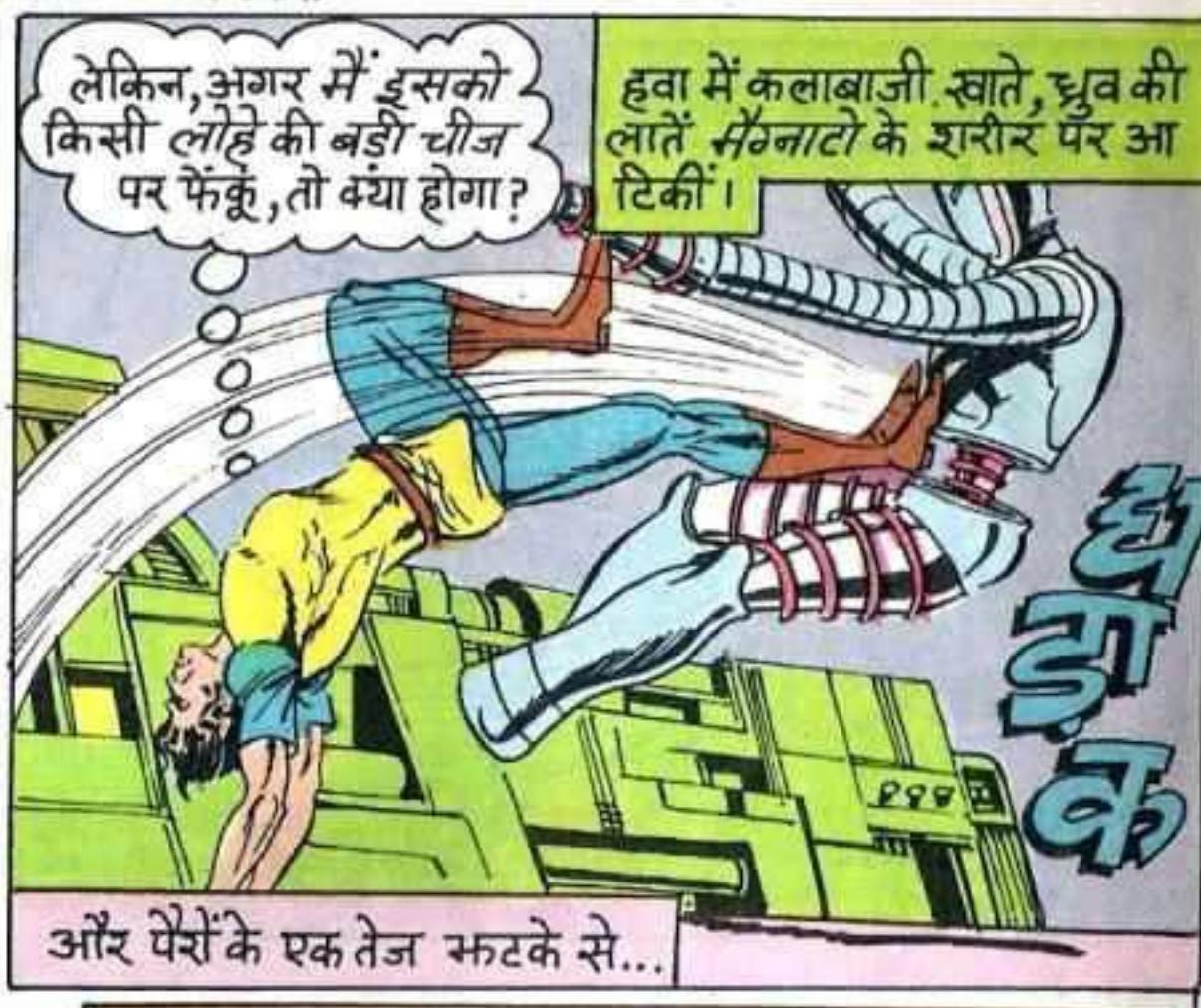


ध्रुव की कलाइयों पर, मैग्नाटो की पकड़ ढीली हो गई। -

- और एक तेज झटके से, ध्रुव ने अपने आप को मैग्नाटो के शिकंजे से आजाद करा लिया।

इसको स्वत्म करने का जल्दी ही कोई उपाय तलाश करना होगा!





...ध्रुव ने लपक कर, 'कंट्रोल-पेनल' पर लगे लाल बटन को दबा दिया।



देखते ही देखते, अंतरिक्ष में पहुंचकर, मिसाइल
एक बोआवाज धमाके के साथ फट गई।



और साथ ही साथ-सेनाटोंके
दुकड़े भी अंतरिक्ष में विस्तर गए।

बटन दबा-और
अदृश्य चुंबकीय
किरणें आकाश में
फैल गईं।

वेरी गुड! अब मिसाइल
भी हमारे काफी
नजदीक आ
चुकी हैं।

चुम्बा को इस घटना के
बारे में पता भी नहीं चला।

तुमने अभी तक आकाश में
चुंबकीय किरणों का जाल
नहीं फैलाया?



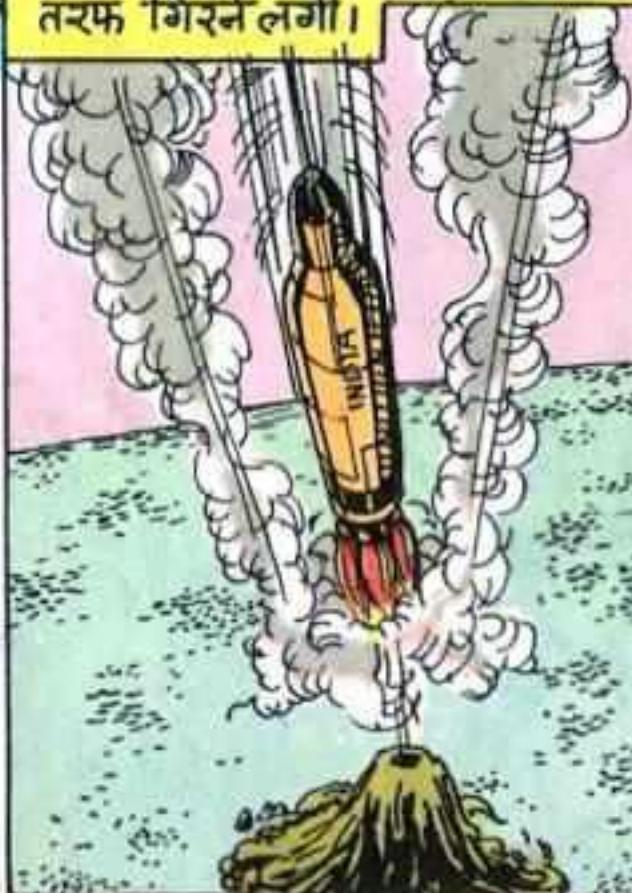
बस, एक
सेकेंड और,
समाप्त!

यह बटन दबाते ही आकाश में
चुंबकीय जाल, चारों तरफ फैल जाएगा!

चुम्बा के शक्तिशाली जाल में पहुंचते
ही मिसाइल, हवा में ही रुक गईं।



और फिर धीरे-धीरे नीचे की
तरफ गिरने लगी।



कुछ ही देर बाद-मिसाइल, चुम्बा
की फैक्ट्री के अंदर रुकड़ी थी।







तुम्हें तो 'हॉरर' फिल्मों के डायलॉग लिखने चाहिए, चुंबा!

अभी तेरी यह तेज जुबान बंद ही जाएगी, छोकरी!

एक मिनट! चमकती सतह से टकरा कर वापस हो रहे हैं!

यह मेरे लचात
का साधन भी
बन जाकती
है।....

और हमले
का भी।

और उसको अपनी ढाल की तरह पकड़ लिया।

चंडिका ने चमकती प्लेट को
दीवार से उखाड़ लिया।

और चुंबा का मैग्नेटिक ब्लास्ट, चमकती
प्लेट से टकराकर...

...वापस चुंबा से ही आ टकराया।

और हवा में उड़ता उसका शरीर, उन्हीं नुकीले सिरों की
तरफ बढ़ा, जो उसने चंडिका के लिए सजाए थे।

क ट ट क

पलक झपकते चुंबा का शरीर
सुदूर एक शारिशाली चुंबक बन गया।

आईई!
मैं मर
जाऊंगा!

घबराओ मत,
चुंबा!

सांग

पर तभी - एक जोरदार लात ने उसको
नुकीले सिरों से दूर फेंक दिया।

तट

मैं तुमको इतनी आसानी
से मरने नहीं दूँगी।

इससे पहले कि चुंबा
समल पाता -

चंडिका का एक और करारा
वार उसके शरीर पर आ लगा।



और चुंबा का शरीर, वैज्ञानिकों के पैरों में बंधे लोहे के गोलों के बीच में आ गिरा।



...सारे वजन एक साथ चुंबा की तरफ लपके।



लेकिन चुंबा के गॉर्डोंके आपाने से पहले ही-

मिसाइल में दो दरवाजे खुल गए। और उसमें से भारतीय सेना के सशस्त्र जवान बाहर छुदने लगे।

और जब चुंबा के गॉर्ड अंदर घुसे-

-तो उनका स्वागत, उनकी तरफ तनी, सशीलनगलों की कई नलियों ने किया।



इसीलिए मैंने डॉ. राव से मिलकर, तुम्हारे गुप्त अड़डे का पता लगाने के लिए यह रास्ता अपनाया था। अगर मैं तुम्हारा अड़डा ढूँढ़ने में असफल रहता, तो हमारे सैनिक तुमको अवश्य ढूँढ़ लेते।



य... यह क्या? इस मिसाइल में सैनिक भरे हुए थे!!

और इसमें 'न्यूक्लियर बैटरी' भी नकली लगी थी, चुंबा! जब तुमने इलमैन को डिपो में बैटरी लाने को भेजा था, तभी मुझे शक हो गया था, कि मिसाइलों के असफल परीक्षण के पीछे तुम्हारा हाथ अवश्य है।



और अगले ही पल-



जब तुम चुंबा को ठिकाने लगा रही थीं, ...



और फिर-
राजनगर में-

और फिर डॉ. राव
बोले, "तुमने तो आज
हमारे देश की लाज
रख ली, भ्रुव!"

हुंह! ऐसे कि
मैंने कुछ
किया ही
नहीं।

ओहोहोहो! तुमको क्या पता, कि
उस लुच्चे डायनमो की तो मैंने
बहुत पिटाई की थी।

अच्छा!

तूने सोने के अलावा
और किया ही क्या?

लेकिन फिर जब उसने धुंबा
का नाम लिया, तो मैं जानबूझ
कर उसके साथ चली गई थी।

क्यों
मला?

ताकि मैं धुंबा के गुप्त
अड़डे में पहुंचकर उसे
नष्ट कर सकूँ।

हाहाहाहा! अरे बाप, ऐसी गप्प तो
हाहा! रे! (हफ) पेट मैंने जिंदगी में
कट जाएगा! कमी नहीं
सुनी।

यही तो सारी ट्रेजेडी है।
मह्या मुझसे हमेशा सच
पूछता रहता है।

पर सच
बोलो, तो गप्प
समझता है।

पर तुम तो जानते ही
हो कि सच क्या है, और
गप्प क्या?



हाहा
हाहा!

सुनाया